

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ॥
 ब्रूयान्मया श्रुत्वा त्वत्पुत्रस्य ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

पृथगेत्येवमिति क्विन्नं नमास्कात् पूत्रव्यागवस्थानं प
 तगापथे साः ग्रीहवनजयसंपर्वदा स्वनशला मालाग संमा
 न्यमा द्वा द्वा ना कशला ता ज्ज द क ह न स प चं छुं स तं का ला द्वा
 डा ना क प नि वाने ग नान म ह्ना ग्ना त्वा त्वा त्वा त्वा त्वा त्वा त्वा
 त्वा त्वा त्वा ॥ १३ ॥ देवता कसमस्तथा उपतनयनमग
 १४ माये श्री वाक्किर्तयानव न ग ना ॥ १५ उपाययुद्ध

५२३

५२३

क्ष गा नाखडा विजयय वा जगाने क किमियागु ॥ १४ ॥ नमागुने
 आग्वा ॥ १५ सा रूय के रूय के रूय गुरु आग्वा उरु का स य वि रुक्ता
 स हं गुरु आग्वा सिद्धि गुरु आग्वा ॥ १६ ॥ माया विकाय गुभ
 त्वा ॥ १७ ॥ नमागुने आग्वा सिद्धि ॥ वायु सत्ता पितरु न स गान
 पितरु स ह्ना हि ह्ना ह्ना ह्ना ह्ना ॥ १८ ॥ विकने ज प ला या डा

वाथससुययतस्याकनासा॥ग॥ॐ नमोगुरुभ्राग्वॐ किते ॐ
किते दंतगुस्य हं हं ॥ धरा॥ वात्रयसपाडाडमनेकाकंत
यडभकिलनेडाया॥६॥ॐ नमोगुरुभ्राग्वग्रावासकुमानिभ
भ्राग्वसगतनासिलगतपुत्रि गुरुकिसकिमनितहगति
हसामंत्र ॐ ग्वनड वावा॥ धरा॥ वाकायाडा क्वायहिचिय

गुमत्रा॥०॥ॐ नमोगुरुभ्राग्वसुसदात्रितस्मनत्रिहं मिध
महिवासिकागुरुभ्राग्व हं हं तस्याहा धरा॥ वलजडायाः
सामिंसकी धुयाइद विडा ग्वताडियथमंत्रनपुयकुल॥४॥
॥६॥ॐ नमोगुरुभ्राग्व ॐ गुरुनलकाववजिजिलहं॥ धमं
त्रनथमंरुका धयपसिडनदायमरु॥८॥ॐ नमोगुरु

ॐ शिवसुहाहि हं न स्वाहा ॥ यशः प्रमनन झा उं काठः
उं झाडा उं झाडा गान्धिका याव का खाय का थं का डं डया
॥ १० ॥ ॐ नमो गुरु ग्या ॥ ॐ नमो वन पं वल वन खन्द सा
युगल युन कवा धनखा ही रु न वल गुरु सा ही रु सु म्यसः
का या न वल गुरु सा ही वा धन हा ही ॥ यशः ॥ धुनं मखाड

रुनं सुयम रुका ॥ लमल द्वा लम ल्वा हा का य धमनन जययाय
यलम न प्यरय संत य ग्व लमल झा संत या डा तय रुय मा द्
॥ ११ ॥ ॐ नमो गुरु ग्या ग्या ॐ धनल्य न गिनि धनत स्यवा
गिनि वृद्धवा गिनि ॥ यशः ॥ मिपु क या ना लाय गुरु मंत्र ॥ १२ ॥ यशः
ॐ नमो गुरु ग्या ग्या ॐ कौतिल हि यम दि स्वा हा ॥ यशः ॥ हा

ॐ नमो गुरु आग्वा ॥ ॐ कृति धनेति लहियमदि स्वाहा ॥ अगा
हाडा कथा ॥ १३ ॥ ॐ नमो गुरु ल आग्वा ॐ सुवाग कृमि मा
लय पिस्तुनयन जय स गज गमय ललय हं हं त स्वाहा ॥
॥ अगा ॥ आख्यत जय लया डा नुय के विकुडा डा नासा ॥ १४ ॥
ॐ नमो गुरु आग्वा ॐ मं मं मी सि हं हं त स्वाहा ॥ अगा ॥

विजय लया डा द्या सस तथा डा नक्ष इह म विजया विन्ही डा ॥
विकुडा डा नासा ॥ नाख काल के स बांगु द्या स थ थ द्या बांगु द्या
सकाया डा दिन आदि त्रवा ल कृष्ण धुप थ डा डा कृष्ण लः
का तु फल स डल्य का र्णाय के विकुडा डा नासा ॥ १५ ॥ ॐ नमो
गुरु आग्वा ॐ पय पय के के नाय स्वाहा ॥ अगा ॥ सयान

त्रिनय ध सुसुय ॥ सपान तिसरु यिडा नुपुपिन किय ॥
वासद्रु सकि किय ॥ ख न ह मा ॥ १० ॥ न न मा गउ स न ग
स ह स न नि थ क ह वि मा जा न र ह ॥ ११ ॥ ध म न न च क
न ज व स पा ज पा थ स ग क म्य व न म र ड या य म ह म र ड या क
या ॥ १२ ॥ न न मा गउ न श ग्य उ न च स ह य न मा म

मा ह त पि त ॥ १३ ॥ म ल २५ ॥ श दि स ॥ १४ ॥ का स वा ज
स व क ग न्य धा त य ना ख रु वा त य भा द स वा रा त क ॥
सु य क स हि वु का या डा का यि का न यि या ड हि वि पि त
का य ग म ॥ १५ ॥ न न मा गउ न श ग्य उ न च स ह य न मा म
गउ न श ग्य उ न च स ह य न मा म

हृत्प्रातर्दांकिनिम्यासाधजाह्वावितकहासवथमस्वाहा॥
धम॥ हृत्प्रातर्नवपुडयाजान्यमायगुरुहिनजान्ययायगुरुकु
धन्या॥ २१॥ ॐ वचन्द्रेताताहामुन्य स्वाहाधम॥ वा
गमास्याकयामंत्रा॥ २२॥ ॐ हाहीहं॥ धम॥ प्राकंकुकि
यायाडाजान्यमायहतिनिनडाकयामंत्रा॥ ॥ ॐ

१ ॐ यज्ञादिनिद्रं धम॥ मेवनदृश्वविश्यसानसाकसग
युवविनस्यजासमद्यसदयिव॥ ॐ नमागुरुभ्राह्मा
कंसिं कंसिं हं फट् स्वाहा॥ धम॥ प्रासिद्वययाहिकिंय
ॐ पिसावियपस्मिं सर्वेतिज्ञां किं फट् स्वाहा॥ धम॥ नवत
वज्ञासनवययासासयाय॥ ॐ हा हं डं हा डं डं हा

ॐ स्वाहा ॥ ५१० ॥ न का प्र कम सि व सि धा स सि ध म त्र न
जा प या यः स रु या क स हो स उ वा न न ॥ ॐ वा मृ दि न्म
क व स मा न य स्वा हा ॥ कु व रु क स सा न य स पा व दि न
१ न के व स्या ॥ ॐ न आ ग रु मा ॥ ॐ न दी न की न की
घ की वा वा ती ३ ॥ क द वां वा सा य ॥ ११ ॥ ॐ गु रु मा

ॐ उ र सा उ र सा उ र सा स्वा हा ॥ की लो म र मी उ वा
यी या ॥ ११ ॥ ॐ गु रु मा ॥ ॐ क वा र मा हा
क पा र स रु र सा हा ॥ ५ ॥ ११ ॥ ॐ
श्री ना म न सा हा ॥ स रु रु या उ च र की लो म र न
य ॥ ११ ॥ ॐ गु रु मा ॥ ॐ कुं कुं कुं दी ग य स्वा हा
वी क सी या ॥ ११ ॥

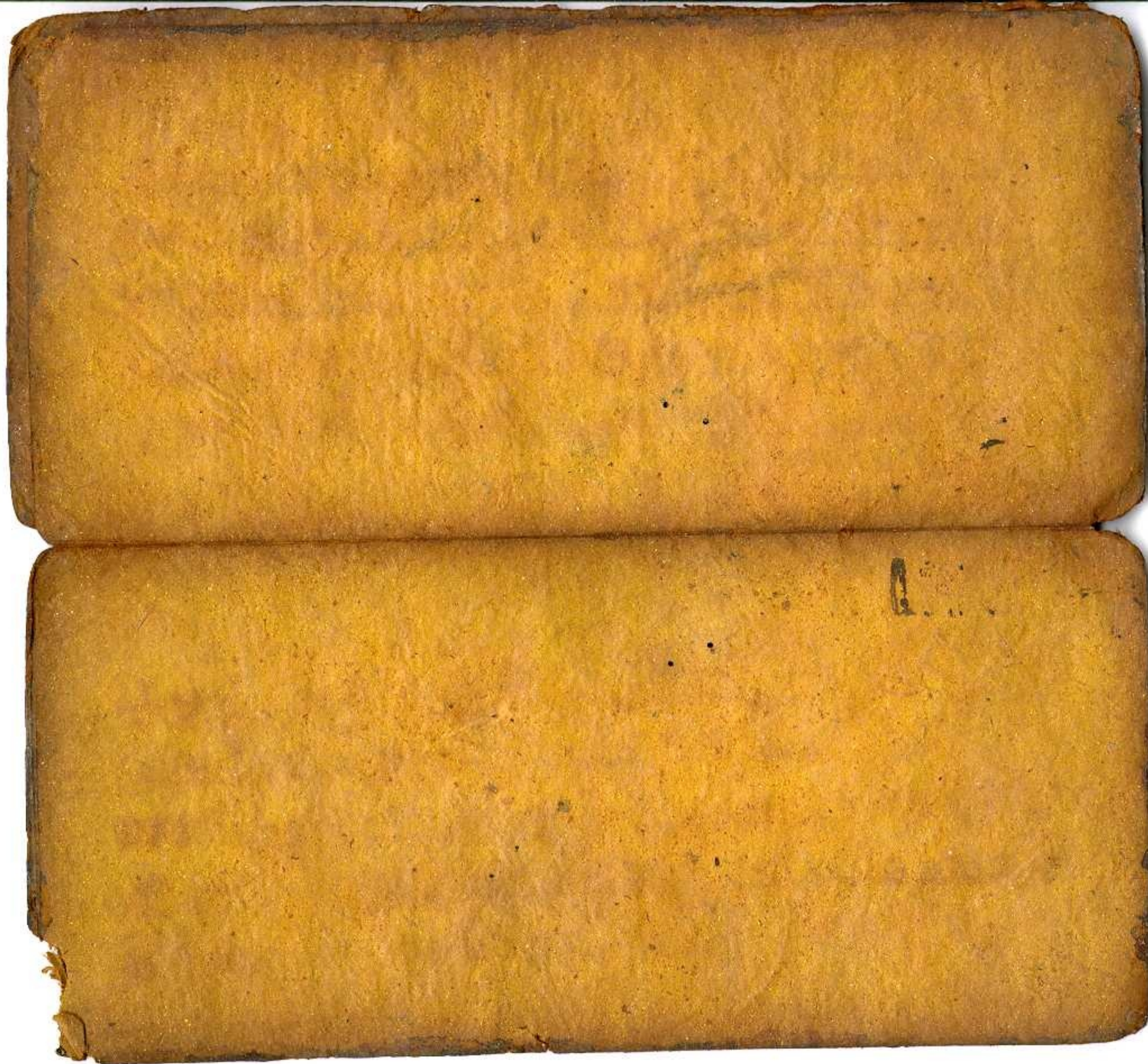


गुरुगुरुः ॥ ५५ ॥ दृष्टमन्त्रं त्रयं वा वृथा ॥ ३६ ॥ वि
 हतानि ज्ञानाग्निं धारणीयमात्रं त्रयं वा वृथा ॥ ३७ ॥ वि
 मुनिं त्रयं वा वृथा ॥ ३८ ॥ वि
 नैवि ॥ ३९ ॥ वि
 मि साधववस्य प्राप्य निष्ठा नैव शीला ॥ ४० ॥ वि

॥ नमः श्री गुरुभ्यः ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यः ॥

नमो ग्री मुकुंदा गणेशाय नमः शुभं करोतु कालः
 काकुत्स्थः साधुः अथ साधुः साधुः साधुः साधुः साधुः
 परं जर किं वा करोति वा या रते रयः साधुः शिव
 वे वा साधुः साधुः साधुः साधुः साधुः साधुः साधुः साधुः









[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥